संवाद पत्र

पूर्वोत्तर सीमा रेल
निर्माण संगठन

अंक 10 वर्ष : तृतीय त्रैमासिक अप्रैल, 2009

60 वाँ गणतंत्र दिवस समारोह

ध्वजारोहण के दौरान श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/नि. के साथ श्री बकरीदन, भंडार नियंत्रक/नि.

60 वें गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर दिनांक 26.01.09 को कार्यालय परिसर में आयोजित रंगारंग कार्यक्रम में "राष्ट्रीय झण्डे" को ससम्मान एवं प्रसन्नतापूर्वक फहराया गया, जिसमें सभी अधिकारी/रेल कर्मचारी तथा उनके परिवार के सदस्य उपस्थित हुए । इस अवसर पर वर्ष 1979 में शुभारम्भ निर्माण संगठन के अब तक के इतिहास में पहली बार कार्य, स्थापना, भंडार, जनसम्पर्क एवं विविध विषयों पर सम्मिलित "शिड्यूल ऑफ पावर" श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/निर्माण द्वारा जारी किया गया ।

माननीय रेलमंत्री, श्री लालू प्रसाद द्वारा कटिहार-तेजनारायणपुर खण्ड के आमान परिवर्तन का शिलान्यास

शिलान्यास के दौरान (दाँए से)माननीय रेल मंत्री, श्री लालू प्रसाद, माननीय सांसद श्री तारीक अनवर एवं निखिल कुमार चौधरी तथा श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/नि.

माननीय रेलमंत्री, श्री लालू प्रसाद ने दिनांक 05-01-2009 को कटिहार में आयोजित एक जनसभा में गणमान्य अतिथियों, श्री शिव कुमार, महाप्रबन्धक/निर्माण एवं अन्य वरिष्ठ रेल अधिकारियों की उपस्थिति में कटिहार-तेजनारायणपुर (34.30 कि.मी.) सेक्शन के आमान परिवर्तन का शिलान्यास किया। इस आमान परिवर्तन से मणिहारी, अमदाबाद एवं तेजनारायणपुर क्षेत्र के लोगों की बड़ी लाइन सुविधा की बहुआकांक्षित अभिलाषा पूरी हो सकेगी ।

किशनगंज-जलालगढ़ नई रेल लाइन का शिलान्यास

शिलान्यास के दौरान श्री तसलीम उद्दीन, माननीय केन्द्रीय राज्य मंत्री कृषि, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा साथ में श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/नि.

श्री तसलीम उदीन, माननीय केन्द्रीय राज्यमंत्री, कृषि, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण ने दिनांक 27-02-2009 को किशनगंज में आयोजित एक जनसभा में विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में किशनगंज से जलालगढ़ तक नई रेल लाइन (50.87 कि. मी.) का शिलान्यास किया ।

संरक्षक	मुख्य संपादक	संपादक	सहयोग
श्री शिव कुमार	श्री बकरीदन	श्री एस. बेहेरा	श्री शरद विधु शुक्ल
महाप्रबंधक/निर्माण	मुख्य राजभाषा अधिकारी/नि	उप मुख्य राजभाषा अधिकारी/नि	राजभाषा अधिकारी/नि

श्री एस.के. विज, सदस्य इंजीनियरी, रेलवे बोर्ड द्वारा बोगीबिल रेल पुल परियोजना का निरीक्षण

परियोजना स्थल पर श्री एस. के. विज, सदस्य इंजीनियरी, रेलवे बोर्ड, श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/नि., श्री राधे श्याम, मु.प्र.अधि./नि. तथा अन्य अधिकारीगण ।

24 फरवरी, 2009 को ब्रह्मपुत्र नदी पर मेगा राष्ट्रीय परियोजना बोगीबिल रेल सह सड़क पुल के कार्यों का श्री एस. के. विज, सदस्य इंजीनियरी, रेलवे बोर्ड ने निरीक्षण किया । श्री विज़ ने अधिसंरचना, दक्षिणी मार्गदर्शी बांध तथा संयुक्त पहुँच तटबन्धों के कार्यों की प्रगति पर संतोष प्रकट किया ।

उन्होंने इस परियोजना में कार्यरत अधिकारियों, पर्यवेक्षकों तथा कर्मचारियों के दल की प्रशंसा की जो पूर्वोत्तर के लोगों की बहुआकांक्षित अभिलाषा को पूरा करने के लिए देश के दूरदराज क्षेत्र में उत्साह एवं निष्ठापूर्वक अपनी सेवाएँ समर्पित भाव से अर्पित कर रहे हैं । उन्होंने उनके मनोबल के उत्साहवर्द्धन स्वरूप 1 लाख रूपये के सामूहिक पुरस्कार की घोषणा की ।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की पहली बैठक

बैठक के दौरान श्री राधे श्याम,मु.प्र.अधि./नि.,श्री अकरीरन, मुराधि/नि, श्री एस. बोरा, उप मुराधि/नि तथा अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण ।

श्री राधे श्याम,मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण की अध्यक्षता में दिनांक 27.03.09 को वर्ष की पहली राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें राजभाषा के प्रचार-प्रसार से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया ।

रेल स्थायी समिति का दौरा

बैठक के दौरान संगठन के सभाकक्ष में रेल स्थायी समिति के अध्यक्ष श्री वासुदेव आचारिया एवं माननीय सदस्यगण ।

रेल स्थायी समिति ने दिनांक 04 से 06 फरवरी, 2009 तक पू. सी. रेल का दौरा किया। उनके दौरे के दौरान दिनांक 04-02-2009 को गुवाहाटी में समिति के सदस्यों, संसदीय सचिवालय एवं रेलवे बोर्ड के अधिकारियों सहित माननीय अध्यक्ष श्री बासुदेव अचारिया ने "चालू रेल परियोजनाओं" पर पू. सी. रेल (निर्माण) के साथ अनौपचारिक विचार-विमर्श किया, जिसमें चालू परियोजनाओं की कार्य समीक्षा की गई एवं विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों जैसे निधि की उपलब्धता, भूमि अधिग्रहण और कानून एवं व्यवस्था से सम्बन्धित परियोजनाओं की समस्याओं पर चर्चा हुई । श्री अचारिया ने निर्माण संगठन द्वारा गत एक वर्ष के दौरान प्राप्त उपलब्धियों की सराहना की एवं समिति के समक्ष प्रस्तुत सुझावों को लिपिबद्ध भी किया। रेल स्थायी समिति ने दिनांक 06-02-09 को न्यू-मायनागुड़ी - जोगीघोपा एवं फकीराग्राम - धुबड़ी आमान परिवर्तन परियोजनाओं के कार्यस्थल का दौरा कर स्वयं परियोजना के कार्यों का संज्ञान लिया ।

पंचाट विषय पर सेमिनार का आयोजन

सेमिनार में व्याख्यान देते हुए श्री चन्द्र प्रकाश, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/नि एण्ड पी/उत्तर रेलवे साथ में श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/नि., श्री राधे श्याम, मु.प्र.अधि./नि., एवं अन्य अधिकारीगण ।

दिनांक 20-02-09 को पंचाट विषय पर एक सेमिनार आयोजित किया गया जिसमें श्री चन्द्र प्रकाश, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/नि/पी एण्ड पी/ उत्तर रेलवे को इस विषय पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था । सेमिनार में इस संगठन के मुख्यालय एवं फिल्ड यूनिटों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया ।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों का विदाई समारोह

सेवानिवृत्त कर्मचारियों के साथ श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/नि., श्री राधे श्याम, मु.प्र.अधि./नि., श्री बकरीदन, मुकाधि/नि तथा अन्य अधिकारीगण.

इस संगठन की परिपाटी को कायम रखते हुए दिनांक 31.01.2009 को सेवानिवृत्त हुए 3 अधिकारियों एवं 2 कर्मचारियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें अधिकारियों/कर्मचारियों को उनकी सेवानिवृत्ति राशि का भुगतान श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/निर्माण के कर कमलों द्वारा प्रदान किया गया। साथ ही सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को महाप्रबंधक/निर्माण द्वारा स्वर्ण पदक भी प्रदान किये गये । इस कार्यक्रम में महाप्रबंधक/निर्माण महोदय के साथ-साथ अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण तथा कार्यालय के कर्मचारी भी शामिल हुए ।

इसी क्रम में फरवरी माह में सेवानिवृत्त हुए 2 अधिकारियों तथा 3 कर्मचारियों को उनकी सेवानिवृत्ति राशि का भुगतान श्री राधे श्याम, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण द्वारा दिनांक 27.02.2009 को आयोजित सेवानिवृत्ति समारोह में प्रदान किया गया ।

क्षेत्रीय रेलों तथा उनके अन्तर्गत आने वाले मंडलों की सूची

क्र.सं.	क्षेत्रीय रेल	मुख्यालय	मंडलों के नाम
1	पूर्वोत्तर सीमा रेल	मालीगांव, गुवाहाटी-781011	कटिहार, अलीपुरद्वार, रंगिया, लामडिंग एवं तिनसुकिया
2	पूर्व रेलवे	एन.एस. रोड,कोलकाता-700001	हावड़ा, आसनसोल, सियालदाह एवं मालदा
3	पूर्वोत्तर रेलवे	गोरखपुर-273012	इज्जतनगर, लखनऊ एवं वाराणसी
4	पूर्व मध्य रेलवे	हाजीपुर-844401	दानापुर, सोनपुर, समस्तीपुर, मुगलसराय एवं धनबाद
5	पूर्वी तटीय रेलवे	रेल विहार,भुवनेश्वर-751023	खोरदारोड, वाल्तेरू एवं सम्बलपुर
6	दक्षिण रेलवे	चेन्नई-600003	चेन्नई, त्रिचुरापल्ली, मदुराई, पालघाट एवं त्रिवेन्द्रम
7	दक्षिण पूर्व रेलवे	गर्डेन रीच रोड, कोलकाता-700043	चक्रधरपुर, खड़गपुर, आद्रा एवं रांची
8	दक्षिण पश्चिम रेलवे	हुबली-580023	बंगलुर, मैसूर एवं हुबली
9	दक्षिण मध्य रेलवे	रेलनिलयम,सिकन्दराबाद-500071	सिकन्दराबाद, हैदराबाद, गुंटूर, विजयवाड़ा, गुंटकल एवं नांदेड़
10	दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे	बिलासपुर-495004	नागपुर, बिलासपुर एवं रायपुर
11	पश्चिम रेलवे	चर्च-गेट, मुम्बई-400020	मुम्बई (सैंट्रल), बड़ोदरा, रतलाम, भावनगर, राजकोट एवं अहमदाबाद
12	पश्चिम मध्य रेलवे	इन्द्र मार्केट, जबलपुर	जबलपुर, भोपाल एवं कोटा
13	मध्य रेलवे	छत्रपति शिवाजी टर्मिनस, मुम्बई-400001	मुम्बई , भुसावल, शोलापुर, पुणे एवं नागपुर
14	उत्तर रेलवे	बड़ोदा हाऊस,नई दिल्ली-110001	दिल्ली, फिरोज़पुर, मुरादाबाद, लखनऊ एवं अम्बाला
15	उत्तर पश्चिम रेलवे	जयपुर-302006	अजमेर, जयपुर, बीकानेर एवं जोधपुर
16	उत्तर मध्य रेलवे	सिविल लाइन्स,इलाहाबाद	इलाहाबाद, आगरा, झाँसी

राष्ट्रीय परियोजनाएं

अगरतला से सबरूम तक नई बीजी लाइन (110 कि.मी.)

2008-09 में स्वीकृत यह नया कार्य है । निर्माण पूर्व के क्रियाकलापों तथा भूतकनीकी अन्वेषण का आंशिक विस्तृत प्राक्कलन स्वीकृत किया गया । मेसर्स राइट्स प्राइवेट लिमिटेड को फाइनल लोकेशन सर्वेक्षण एवं भूतकनीकी अन्वेषण कार्य सौंप दिया गया है तथा दिनांक 15.10.08 को कार्य शुरू हो चुका है । पार्टियां जिन्हें स्थल तथा अन्य सर्वेक्षण क्रियाकलापों पर पिलरों/पेगों को फिक्स करने के कार्य में लगाया गया है उन्हें समुचित सुरक्षा मुहैया करा दी गई है। अगरतला से उदयपुर तक फाइनल लोकेशन सर्वेक्षण का कार्य पूरा किया गया तथा संरेखण के लगभग 17 कि. मी. अगरतला छोर से भू स्थल पर (कंक्रीट पिलर फिक्स करते हुए) खूंटा गाड़ा गया । 436.83 करोड़ रूपये का आंशिक विस्तृत प्राक्कलन अगरतला से उदयपुर तक 44 कि. मी. के लिए स्वीकृति हेतु दिनांक 20-02-09 को रेलवे बोर्ड भेजा गया।

जिरिबाम से तुपुल तक नई बीजी लाइन (98 कि.मी.)

9.9 कि. मी. से 20.5 कि. मी. एवं 63.18 कि. मी. से 81.24 कि. मी. के बीच 28.66 कि. मी. के लिए स्वीकृत आंशिक विस्तृत प्राक्कलन दिनांक 20-01-09 को कुल 663.84 रूपये स्वीकृत किये। प्रत्येक मामले में कुल संभव 97.9 कि. मी. लम्बाई में से क्रमश: 70 कि. मी.एवं 22 कि. मी. फाइनल लोकेशन सर्वे तथा भू-तकनीकी जांच में संचयी प्रगति रही। भू- अधिग्रहण, भू-कार्य एवं छोटे पुलों के 0.00 कि.मी. से 10.00 कि.मी. एवं 81.500 से 97.900 तक, 399 हेक्टर में से 167.00 हेक्टर, 130 लाख क्यूबिक में से 41 लाख क्यूबिक मीटर तथा 29 में से 9लाख क्यूबिक मीटर की कार्य प्रगति हुई ।

आजरा से बरनोहाट तक (30 कि. मी.) नई बीजी लाइन

फाइनल लोकेशन सर्वे का कार्य प्रगति पर है । यद्यपि नवम्बर,07 से स्थानीय लोगों के विरोध के कारण अनुमोदित संरेखण के असम भाग में सर्वे का कार्य स्थागित है। राज्य सरकार को इस विषय के समाधान हेतु सूचित कर सर्वे कार्य के लिए सुरक्षा प्रदान करने का आग्रह किया गया । भू बन्दोबस्त अधिकारी के साथ मिलकर आजरा छोर से 9.0 कि.मी. तक की सम्भावित भू-योजना तैयार कर ली गयी तथा राजपत्र में अधिसूचित करने के लिए एस.डी. ओ./कामरूप को सौंप दिया गया है ।

लमडिंग-सिलचर-जिरीबाम, बदरपुर से बराईग्राम एवं बराईग्राम से कुमारघाट (367.79 कि.मी.) का आमान परिवर्तन

माहुर-हरांगाजाओ के एम.जी. सेक्शन के संरक्षण सहित कुल 4049.39 करोड़ रूपये का संशोधित प्राक्कलन दिनांक 29-01-09 को रेलवे बोर्ड भेज दिया गया है । मई, 08 में पहाड़ी क्षेत्र में उग्रवादियों द्वारा लगातार की गई हत्याओं के पश्चात ठप्प पड़े कार्यों को प्राय: सभी कार्यस्थलों में भू-कार्य, पुलों तथा सुरंगों का कार्य पुन: आरम्भ कर दिया गया है ।

रंगिया-मुकोंगमेलेक आमान परिवर्तन (510.33 कि.मी.)

रंगिया-रंगापाड़ा नॉर्थ (123 कि.मी.) सेक्शन के लिए भू-कार्य एवं पुलों के लिए 75.75 करोड़ रूपये के आंशिक सिविल इंजीनियरिंग का प्राक्कलन स्वीकृत किया गया । रेलवे बोर्ड द्वारा दिनांक 19-09-08 को सम्पूर्ण सेक्शन के शेष कार्य के लिए कुल 1480.96 करोड़ रूपये का विस्तृत प्राक्कलन स्वीकृत किया गया । रंगिया-रंगापाड़ा सेक्शन में भू-कार्य तथा पुलों के लिए ठेके प्रदान किये गये तथा नवम्बर,07 से कार्य प्रगति पर है ।

भैरवी से साईरंग (51.38 कि.मी.) तक नई बीजी लाइन ।

यह एक नया कार्य वर्ष 2008-09 में स्वीकृत हुआ है । निर्माण पूर्व क्रियाकलाप तथा भूतकनीकी जांच के लिए आंशिक विस्तृत प्राक्कलन स्वीकृत कर दिया गया है। अन्तिम स्थान सर्वेक्षण तथा भू-तकनीकी जांच के कार्य को मेसर्स राइट्स को सुपुर्द किया गया है । दिनांक 03-12-09 से सर्वेक्षण का फील्ड कार्य शुरू किया गया। सुरक्षा कार्मियों के लिए खाद्य/आहार की उपलब्धता पर विवाद के कारण प्रगति में बाधा हुई है जिसका राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ मिलकर हल निकाला गया । सर्वेक्षण दल ने दिनांक 27-02-09 से अन्तिम स्थान सर्वेक्षण का कार्य पुन: आरम्भ किया।

दिमापुर से जुब्जा तक नई बीजी लाइन (88 कि.मी.)

0.00 कि.मी. से 40.00 कि.मी. तक फाईनल लोकेशन सर्वे का कार्य प्रगति पर है । गांववासियों द्वारा रूकावट के कारण 5.0 कि.मी. से 8.0 कि.मी. के बीच एफएलएस कार्य को रोक दिया गया । नागालैंड सरकार के आयुक्त, सचिव, यातायात विभाग के साथ डिमापुर में दिनांक 6.2.09 को समन्वय बैठक में इस विषय पर चर्चा की गई । बैठक के कार्यवृत्त के अनुसार शीघ्र समाधान हेतु नागालैंड, कोहिमा के आयुक्त को डिमापुर के उपायुक्त ने इस विषय को अग्रसारित किया । दिनांक 23.02.09 भूमि अधिग्रहण सर्वे कार्य चालू किया गया । पुल एवं सुरंग, भू-तकनीकी एवं भू-गर्भीय जाँच, उप-मिट्टी जाँच कार्य के लिए ठेका दिनांक 09.02.09 को मेसर्स एसोसियेटेड कॉन्स्ट्रक्शन एवं कॉन्सल्टेंसी को सुपुर्द किया गया ।

बोंगोबिल के निकट ब्रह्मपुत्र नदी पर उत्तरी एवं दक्षिणी तट पर लिंक लाइन सहित रेल सह सड़क पुल :

मुख्य पुल के दक्षिणी तट पीयर पी 2, पी 3, पी 4, पी 5 एवं पी 6 के वेल फाउंडेशन कास्टिंग तथा सिंकिंग का कार्य पूर्ण गति पर है एवं आवश्यक 5 वेल के लिए 293 आर एम कंक्रीटिंग तथा सिंकिंग में से 79.5 आर एम कंक्रीटिंग तथा 68.5 आर एम सिंकिंग संचयी प्रगति हुई है ।

मुख्य पुल के उत्तरी तट पर पीयर पी 32 एवं पी 33 के वेल फाउंडेशन में 116 आर एम में से 26 आर एम सिंकिंग, 15650 क्यूबिक मीटर कंक्रीटिंग में से 3100 क्यूबिक मीटर किया गया । पी 34 एवं पी 35 के कटिंग्स का गठन पूरा हो चुका है तथा स्थापन के लिए तैयार है । दूसरे बैचिंग प्लांट के 30 क्यूबिक मीटर/घण्टा क्षमता तथा दूसरी क्रशर प्लांट के स्थापन का कार्य प्रगतिरत है।

दक्षिणी तट पर दक्षिणी मार्गदर्शी बांध एवं संयुक्त सम्मुखी ए 1 तटबन्धों का निर्माण पूर्ण प्रगति पर है । मार्गदर्शी बांधों के कार्य को पर्यवेक्षण हेतु एक सिरे से दूसरे सिरे तक 6 क्षेत्रों में विभाजित कर दिया गया है । सभी क्षेत्रों का 24.21 लाख क्यूबिक मीटर तक जलमग्न स्थिति का भू-कार्य पूरा किया गया ।

उत्तरी तट पर 29.0 से 28.4 सी एच तक संयुक्त सम्मुखी तटबंध का निर्माण प्रगति पर है । कुल 1200 हजार क्यूबिक मीटर में से 104 मीटर आर एल तक 850 लाख क्यूबिक मीटर भू-कार्य किया गया ।

2008-2009 का परिव्यय

2008-2009 का परिव्यय

◆ राष्ट्रीय परियोजनाओं के लिए अतिरिक्त बजटीय सहयोग सहित रेलवे बजट	=	1472.47 करोड़ रुपये
◆ निक्षेप कार्य (रक्षा मंत्रालय)	=	11.94 करोड़ रुपये
कुल	=	1484.41 करोड़ रुपये
खर्च		
◆ 28 मार्च, 2009 तक के खर्च	=	245.91 करोड़ रुपये
	+	0.26 करोड़ रुपये (निक्षेप कार्य)
कुल	=	246.17 करोड़ रुपये
◆ 28 मार्च, 2009 तक संचयी खर्च (लगभग)	=	1431.14 करोड़ रुपये
	+	7.39 करोड़ रुपये (निक्षेप कार्य)
कुल	=	1438.53 करोड़ रुपये
परिव्यय का % खर्च	=	96.91 %

यातायात सुविधा

	प्रगति	लक्ष्य
◆ कामाख्या पैसेंजर टर्मिनल एवं पांडु में कोचिंग की सुविधा (फेस-I)	100%	
◆ कामाख्या टर्मिनल एवं कोचिंग की सुविधा (फेस-II)	70 %	मई, 09

वर्कशॉप

	प्रगति	लक्ष्य
◆ न्यू गुवाहाटी डीजल शेड का विस्तार	98 %	मार्च, 09
◆ कामाख्या जं- कोच रख-रखाव के लिए उप ढांचा का विकास	65 %	मई, 09
◆ किशनगंज-ट्रेन परीक्षण सुविधा	67 %	मार्च, 09

वर्ष 2008-09 की लक्ष्य निर्धारित परियोजनाओं की स्थिति

	प्रगति
◆ कटिहार-जोगबानी (आमान परिवर्तन)	कार्य पूरा करके इस सेक्शन को दिनांक 04-06-08 को चालू कर दिया गया है।
◆ मानु-अगरतला (नई लाइन)	सेक्शन खोल दिया गया है।
◆ सेनचुवा-सिलघाट (आमान परिवर्तन)	कार्य पूरा हो गया है। सी आर एस निरीक्षण कर लिया गया है। सेक्शन खुलने के लिये तैयार है।
◆ चालखोवा-मोरानहाट नई लाइन	कार्य पूरा करके सी आर एस निरीक्षण की प्रतीक्षा में।
◆ झाड आ क्रासिंग स्टेशन	31.12.08 को कार्य पूरा कर के चालू कर दिया गया है।

सिगनल एवं दूरसंचार निर्माण कार्य

	प्रगति	लक्ष्य
◆ न्यू जलपाईगुड़ी -बंगाईगांव-गुवाहाटी : मोबाइल ट्रेन रेडिओ संचार।	(i)दिनांक 24.3.07 को गुवाहाटी से न्यू बंगाईगांव तक परीक्षण स्वरूप कार्य चालू किया गया। (ii) कटिहार-बारसोई तथा न्यू जलपाईगुड़ी बारसोई-मालदा टाऊन सेक्शनों के बीच सफलतापूर्वक मोबाइल ट्रेन रेडिओ संचार परीक्षण संचालित किया गया।	मार्च, 2009
◆ पानीतोला-डिब्रूगढ टाऊन : स्टन्डर्ड III पैनेल इन्टरलाकिंग तथा एम.ए.सी.एल द्वारा सिगनलों का पुन:स्थापन (राजधानी मार्ग, 5 स्टेशन)।	पानीतोला से लाहोवाल तक 4 स्टेशनों में चालू कर दिया गया। बी.पी.ए.सी. कार्य 4 स्टेशनों में तैयार है। मंडल द्वारा एस.डब्ल्यू.आर. हस्ताक्षरित किए जाने की अपेक्षा में शुभारंभ प्रतीक्षित है।	मार्च, 2009
◆ आगटोरी- शोलिड स्टेट इन्टरलॉकिंग द्वारा पैनेल इन्टरलॉकिंग का प्रतिस्थापन।	शॉलिड स्टेट इन्टरलॉकिंग प्रणाली दिनांक 22.02.09 को चालू किया	मार्च, 2009

सर्वेक्षण

क्रम सं	सर्वेक्षण का नाम	स्वीकृति वर्ष	राज्य	प्रगति	पूरा करने की लक्ष्य तिथि
1	रूपाई से महादेवपुर, नामशोई येंगखाम (अ.प्र.) होकर परशुरामकुंड तक (103 कि.मी.) नई लाइन का आर ई टी द्वारा सर्वेक्षण	2007-08	असम तथा अरूणाचल प्रदेश	85 %	मार्च, 2009
2	रंगपो से गेंगटाक	2007-08	सिक्किम	40 %	मार्च, 2009
3	जोगीघोपा-पंचरत्न से सिलचर तक नई लाइन	2007-08	असम तथा मेघालय	70 %	मार्च, 2009
4	जोगबनी (भारत) से विराटनगर (नेपाल)	2008-09	बिहार (भारत) तथा नेपाल	40 %	मार्च, 2009

हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

कार्यशाला में श्री बकरीवन, मुराधि/नि., श्री एस.वी. शुक्ल, राधि/नि. एवं अन्य अधिकारीगण ।

संगठन के सम्मेलन कक्ष में दिनांक 06.03.09 को मुराधि/निर्माण महोदय की अध्यक्षता में अधिकारियों के लिए एक हिन्दी डिक्टेशन कार्यशाला का आयोजन किया गया । जिसमे कार्यशाला में कुल 16 अधिकारियों ने भाग लिया । उक्त कार्यशाला में ही कई अधिकारियों ने हिन्दी में डिक्टेशन दिया ।

क्षेत्रीय हिन्दी निबंध, टिप्पण एवं प्रारूप लेखन तथा वाक प्रतियोगिता का आयोजन

वाक प्रतियोगिता का एक दृश्य ।

संगठन के राजभाषा अनुभाग में दिनांक 05.03.09 एवं 06.03.09 को क्षेत्रीय हिन्दी निबंध, टिप्पण एवं प्रारूप लेखन तथा वाक् प्रतियोगिता का आयोजन (आधार वर्ष-2008) किया गया जिसमें कर्मचारियों ने काफी उत्सुकता से भाग लिया ।

शब्द-ज्ञान

embezzlement	गबन
emboss	उभरी मुहर लगाना
emoluments	परिलब्धियाँ
empanelment	नामिकायन, नामिका बनाना
endorsement	पृष्ठांकन, समर्थन करना
enterprise	उद्यम
errata	शुद्धि पत्र
escort	अनुरक्षक
extravagant	फिजूलखर्च

हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग के लिए रेलवे बोर्ड की व्यक्तिगत नकद पुरस्कार

यह हर्ष का विषय है कि सरकारी कामकाज में हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग के लिए रेलवे बोर्ड की व्यक्तिगत नकद पुरस्कार योजना (आधार वर्ष - 2007) के तहत इस संगठन के अभिकल्प विभाग के अनुभाग इंजीनियर श्री भुपेन हजारिका को दिनांक 16.03.2009 को माननीय अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड के कर कमलों द्वारा पुरस्कृत किया गया । संगठन उनकी इस उपलब्धि पर उन्हें हार्दिक बधाई देता है ।

श्री हजारिका को प्राप्त प्रमाण पत्र ।

श्रद्धांजलि

इस संगठन के श्री पी.आर. लाला, कनिष्ठ इंजीनियर/I/टेली/नि का दिनांक 18.03.2009 को ड्यूटी के दौरान दुर्घटनावश निधन हो गया । दिनांक 19.03.2009 को संगठन में एक शोक सभा आयोजित की गई, जिसमें काफी संख्या में अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित हुए तथा दो मिनट का मौन रखकर स्वर्गीय लाला की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। स्वर्गीय लाला के निधन से इस संगठन ने एक कर्त्तव्यनिष्ठ, कर्मठ एवं सक्षम दूर संचार पर्यवेक्षक खो दिया।

स्थानांतरण

1. श्री ए. कचारी, उप मुख्य इंजीनियर/नि/सिलापथार-2 के पद से स्थानांतरित होकर दिनांक 16.02.09 को उप मुख्य इंजीनियर/नि/सिलापथार-3 के पद पर पदस्थापित हुए ।
2. श्री डी.के. मुखोपाध्याय, कार्यपालक इंजीनियर/नि/जोगीघोपा का दिनांक 16.02.09 को पदोन्नति पर पू.सी. रेल मुख्यालय में स्थानांतरण हुआ ।

पदस्थापना

1. श्री के.एल. मीणा ने पदोन्नति पर दिनांक 13.02.2009 को उप मुख्य इंजीनियर / निर्माण / सिलापथार - 2 का पदभार ग्रहण किया ।
2. श्री जे.के. चौधरी, कार्यापालक इंजीनियर/नि/डिब्रूगढ़ ने दिनांक 17.02.09 को पदोन्नति पर उप मुख्य इंजीनियर/नि/मुख्यालय का पदभार ग्रहण किया । तत्पश्चात उन्होंने दिनांक 01.03.2009 को उप मुख्य इंजीनियर/नि/सर्वे का पदभार ग्रहण किया ।

उमाचल योगाश्रम

- स्वतंत्रता पूर्व भारत की एक प्राचीन योगाश्रम

- नव कुमार राय
- सुनील कुमार शर्मा
-राजभाषा सहायक

भारतीय श्रषि-मुनियों के सदियों के जप-तप एवं प्रकृति प्रेम के अद्‌भूत संयोग स्वरूप योग का प्रादूर्भाव हुआ जिससे भारतीयों को रोग-व्याधि एवं अकाल मृत्यु पर विजय प्राप्त करने की विधा की प्राप्ति हुई जो वर्तमान में सम्पूर्ण विश्व को महिमा मंडित कर अपनी सर्वोच्चता की हुंकार लगा रही है ।

प्राक ऐतिहासिक काल से मनुष्य रोग निवारण के लिए सतत् प्रयत्नशील रहा है किन्तु आधुनिक विश्व के दिन-प्रतिदिन के वैज्ञानिक हनुमान कूद के बावजूद योग रोग निवारण की एक परिरकृत विधा के रूप में स्थापित है । इसी क्रम में माँ कामाख्या की चरण स्थली नीलाचल पर्वत की गोद में स्थापित "उमाचल योगाश्रम" प्राचीनतम योगाश्रमों में से एक है जिसकी स्थापना परमपूज्य श्री शिवानन्द सरस्वती महाराज ने वर्ष 1929 में हिमालय एवं कामाख्या में दीर्घकालीन तपस्या एवं अनुसंधान के बाद जन हित के लिए किया । वर्तमान में यह शिवानन्द मठ व योगाश्रम संघ नाम से देश-विदेश में परिचित है । जनकल्याण के लिए उन्होंने प्राय: अर्ध शताब्दी तक योगविधा के विषय में विज्ञानसम्मत अनुसंधान किया । उनका यह विज्ञानसम्मत अनुसंधान भारत तथा भारत के बाहर विश्व के ज्ञानी गुणी लोगों द्वारा प्रशंसित है । उनकी अनुसंधान संबंधी पुस्तकें देश-विदेश की विभिन्न भाषाओं में प्रकाशित होकर योगविधा के प्रचार में विशेष स्थान रखती हैं। उनकी लिखी Yogic Therapy पुस्तक पश्चिमी देशों में काफी प्रशंसित हुई है।

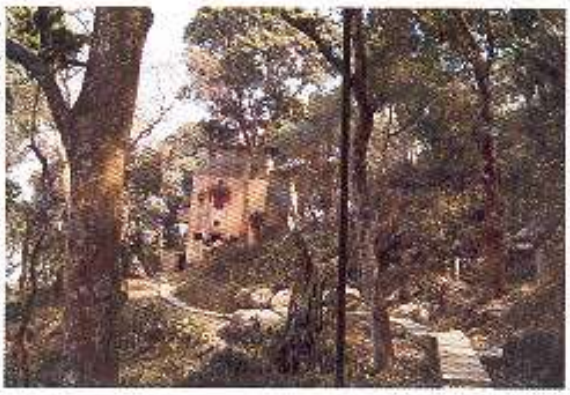

योगाश्रम का एक दृश्य

भारत के पूर्वोत्तर राज्य असम के गुवाहाटी शहर में विराजमान यह योगाश्रम चारों ओर से पेड़-पौधों से घिरा हुआ है । यहाँ का वातावरण एकदम स्वच्छ तथा निर्जन है जहाँ से पूरे गुवाहाटी शहर तथा ब्रह्मपुत्र नदी के विहंगम दृश्य का अवलोकन किया जा सकता है । इस योगाश्रम की दो और शाखाएँ- "उमाचल योगिक महाविद्यालय" तथा "उमाचल यौगिक चिकित्सालय" है जिसे भारत का प्रथम योगिक चिकित्सालय होने का गौरव प्राप्त है जहाँ पुरूषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग वार्ड की व्यवस्था है। उमाचल योगाश्रम एवं यौगिक अस्पताल योग व प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान विभाग, भारत सरकार की सहायता से वर्ष 1972 से विभिन्न रोगों के निदान का विज्ञानसम्मत योग अनुसंधान कर रहा है । योग विधा की शिक्षा, ज्ञान तथा साधुसंगत के उद्देश्य से आश्रम में आवास की व्यवस्था अनुषांगिक व्यय पर उपलब्ध है।

उमाचल योगाश्रम अपनी अनुषंगी संस्था उमाचल यौगिक महाविद्यालय एवं अस्पताल के अधीन योग प्रशिक्षण के निम्न पाठ्यक्रम संचालित करता है :-

1. योग चिकित्सा पाठ्यक्रम - $4^{1}/_{2}$ वर्ष
2. योग डिप्लोमा पाठ्यक्रम - 15 माह
3. योग प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम - 6 माह
4. योग प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम - 1 माह
5. योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा डिप्लोमा पाठ्यक्रम - 1 वर्ष

उपर्युक्त पाठ्यक्रम केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय) भारत सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त है । इस आश्रम में सहज यौगिक क्रियाओं की सहायता से कठिन रोग जैसे - दमा, हृदय रोग, ब्लडप्रेसर, आमाशय-गैस्ट्रिक अल्सर, लकवा, श्वती रोग आदि का बिना दवा के निर्दोष रूप से निदान किया जाता है ।

सम्प्रति पूज्य श्री अमृत महाराज आश्रम में योग गुरू के रूप में सेवा दे रहे हैं । इस आश्रम में न केवल भारतीय बल्कि विदेश के भी योग साधकों ने योग शिक्षा प्राप्त की है और उन्होंने अपने-अपने देशों यथा जापान, इजराइल, स्विट्जरलैंड, केन्या तथा फ्रांस में योग विधा का प्रसार कर जन सेवा का व्रत ले रखा है। वर्तमान में भी स्पेन के योग विधा प्रशिक्षणार्थी अध्यनरत है ।

यह आश्रम अपने अनुषंगी संस्थान के साथ पर्वत चोटी पर बड़ा ही परिश्रमसाध्य पर सुन्दर निर्माण के साथ एक गौशाला, राम मन्दिर तथा ध्यानाश्रम के साथ विराजमान है जो योग विधा का सर्वसिद्ध आश्रम है । इस आश्रम में माँ कामाख्या के आशीर्वाद एवं प्राकृति उपहार स्वरूप समुद्र तल से इतने ऊँचाई पर भी बिल्कुल स्वच्छ एवं शुद्ध झरने का जल आश्चर्यजनक रूप में वर्ष के तीन सौ पैंसठ दिन निर्बाध रूप से प्रवाहित होता रहता है ।

आगन्तुकवृन्द गुवाहाटी जंक्शन अथवा कामाख्या जंक्शन से बस या ऑटो द्वारा कामाख्या गेट बस स्टॉप तक आकर माँ कामाख्या मन्दिर के रास्ते आगे बढ़ते हुए कालीपुर आश्रम के प्रवेश द्वार से पैदल होते हुए पहाड़ी रास्तों के सहारे इस आश्रम तक पहुँच सकते हैं ।

"अतीत के झरोखे से मालीगांव बिहू समारोह"

- डी. सुरीन
आशुलिपिक/निर्माण

प्राचीन काल से इतिहास के पन्नों ने पान्डूनाथ मन्दिर में पंच पांडवों की मूर्तियां अवस्थित होने का खुलासा किया है जिससे इस स्थान का नामकरण पाण्डु हुआ । कामाख्या देवालय व पाण्डुनाथ मन्दिर जाने वाले भक्तों और पुजारियों को फूलों की आपूर्ति करने वाला माली समुदाय वृहत्तर रूप में इस स्थान के चारों ओर बसा हुआ था जिसकी वजह से इस क्षेत्र का विकास उक्त समुदाय द्वारा हुआ और इस तरह क्षेत्र का नाम मालीगांव पड़ा। अत: पौराणिक काल से यह क्षेत्र पाण्डु मालीगांव के नाम से जाना जाता रहा है । यहां उल्लेखनीय है कि 1947 में विभाजन की त्रासदी के बाद तत्कालीन बी. ए. रेलवे जिसका मुख्यालय चटगांव (अब बांग्लादेश) में था, का भी विभाजन हुआ और असम रेलवे की स्थापना हुई जिसका मुख्यालय पाण्डु में बनाया गया और इस प्रकार यह क्षेत्र राष्ट्रीय परिदृश्य में स्थापित हुआ ।

मालीगांव रेलवे स्टेडियम में आयोजित 47 वें रंगाली बिहू सम्मिलन का एक दृश्य ।

मानव सभ्यता समाज की एक प्रकार से जागृत पद्धति है । संस्कृति और सभ्यता का क्रमिक विकास नागरिक समुदाय को समृद्ध करता है । रंगाली बिहू उत्सव जो असम ही नहीं, पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र की जनता के समन्वय और एकता का प्रतीक है यहाँ समुचित ढंग से मनाया जाता है । बिहू समारोह ने नन्हें से मालीगांव रेलवे टाऊनशिप के निवासियों के हृदय में प्रभावशाली सामाजिक एवं सांस्कृतिक असर आत्मसात कराने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। वर्ष 1962 में क्षेत्र के विभिन्न समुदायों के लोगों की एक समिति मालीगांव में बनाई गई जिसका नाम रखा गया "पाण्डु बिहू सन्मिलनी" ।

ऐसा माना जाता है कि मालीगांव रेलवे टाऊनशिप में बिहू उत्सव मनाये जाने से पूर्व वर्ष 1951 में पाण्डु मैदान और बोरीपाड़ा गांव के सामने खुले मैदान में रामशरणी सेवक समाज के तत्वावधान में भी इसका आयोजन किया गया था ।

प्रथम दो अवसरों पर बिहु का आयोजन मालीगांव जूनियर इंस्टीट्यूट के निकट खेल के मैदान में एक अस्थाई पंडाल में किया गया, किन्तु रेलवे के तत्कालीन महाप्रबन्धक स्वर्गीय श्री वी. सी. गांगुली, जो समारोह के संरक्षक थे, ने यह पाया कि रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा उनके परिजनों के लिए बिहू का आयोजन अस्थायी पंडाल में करना काफी असुरक्षित था, क्यों कि ऐसे पंडाल में आँधी-तूफान से काफी क्षति पहुँच सकती थी । उन्होंने पंडाल को रेलवे स्टेडियम में स्थानांतरित करने का आदेश दिया । तब से यह रेलवे प्रशासन के पूर्ण संरक्षण और सहयोग से प्रतिवर्ष रेलवे स्टेडियम में आयोजित हो रहा है ।

रेलवे स्टेडियम मालीगांव में बिहू का वार्षिक समारोह जाति समुदाय और भाषा से परे सभी स्थानीय निवासियों के मन में खुशी भर देता है । तमाम समस्याओं से घिरे इस क्षेत्र में बिहू समारोह शान्ति, समन्वय, सहयोग तथा सौहार्द स्थापित करता है । इस प्रकार लोग प्रकृति के क्रम में आते परिवर्तन का स्वागत परस्पर बिहू की शुभ कामनाओं का आदान-प्रदान कर करते हैं ।

यह हर्ष का विषय है कि तत्कालीन महाप्रबन्धक, पू. सी. रेल, श्री राजेन्द्र नाथ, मुख्य संरक्षक पाण्डु बिहू सन्मिलनी समिति 2000, ने यह आदेश पारित किया कि बिहू समारोह के दौरान स्टेडियम के मैदान को किसी अन्य गतिविधि के लिए उपयोग करने की अनुमति न दी जाए, जिससे कि बिहू समारोह के आयोजन में कोई बाधा उत्पन्न न हो । यह रेल कर्मियों और बिहू का आनन्द उठाने वाले लोगों के लिए हर्ष का विषय है कि पू. सी. रेल के महाप्रबन्धक तथा अन्य अधिकारी रंगाली बिहू के समारोह के आयोजन हेतु पूर्ण सहयोग दे रहे हैं ।

बधाई/शुभकामनाएं

अधिकारियों को जन्म दिवस पर हार्दिक बधाई

13 अप्रैल, श्री मोहन लाल, मुख्य इंजीनियर/निर्माण-VII
15 अप्रैल, श्री के.टी.वेचो, उप वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी/नि-II
17 अप्रैल, श्री वी.पी. श्रीवास्तव, मुख्य इंजीनियर/निर्माण-IV
17 अप्रैल, महेन्द्र सिंह, उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/बिलासपुर-I
30 अप्रैल, श्री टी. वी. भूषण, उप मुख्य इंजीनियर/नि/अभिकल्प-I
03 मई, श्री राजेश कुमार, उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/सिलचर-II
11 मई, श्री एस. बेहेरा, उप मुख्य कार्मिक एवं रा.भा. राजभाषा अधिकारी/नि.
17 मई, श्री शैलेन्द्र प्रसाद, उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण अगरतला
20 मई, श्री सत्य प्रकाश यादव, उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/कटिहार
01 जून, श्री सुनील सिंह, उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/जोगीघोपा
03 जून, श्री अजय प्रधान, महाप्रबंधक/निर्माण के सचिव

अधिकारियों को विवाह वर्षगांठ पर हार्दिक बधाई

26 अप्रैल, श्री डी. आर. टेम्बूर्ने, उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण
02 मई, श्री ए.एस. गरूड़, मुख्य इंजीनियर/निर्माण-VI
14 मई, श्री के.टी. वेचो, उप वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी/नि-II
30 मई, श्री एस. बेहेरा, उप मुख्य कार्मिक एवं रा.भा. राजभाषा अधिकारी/नि.